Impact Factor (SJIF): 6.092 E-ISSN: 2583-1615

International Journal of Research in Academic World

Received: 20/June/2023 IJRAW: 2023; 2(7):121-125 Accepted: 25/July/2023

जनपद गोण्डा के आयु लिंग संघटन का भौगोलिक विश्लेषण

*1(a, b)अखण्ड प्रताप पाल और 2डॉ0 श्वेता श्रीवास्तव

*1(a) शोध छात्र राजा हरपाल सिंह पी0जी0 कालेज सिंगरामऊ जौनपुर उत्तर प्रदेश, भारत।
(b)वी0बी0एस0 पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश, भारत

2सहायक आचार्य, प्रो0 राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज उत्तर प्रदेश, भारत।

सारांश

आयु लिंग संरचना जो की विभिन्न आयु वर्गों में स्त्री और पुरुष की संख्या होती है का जनपद गोण्डा के संबंध में अध्ययन के लिए द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। जनपद के आयु लिंग संरचना के आधार पर विभिन्न आयु वर्गों के समग्र अध्ययन के लिए आयु पिरामिड का प्रयोग किया गया। जनपद के गोंडा के आयु लिंग संरचना को कुल महिला पुरष के साथ ही ग्रामीड एवं नगरीय महिला पुरुष आयु संरचना के आधार पर प्रयोग किया गया। जनपद के कुल आयु संरचना तथा ग्रामीण एवं नगरीय आयु संरचना में पुरुष महिला की आयु संरचना में अंतर देखने को मिलता है।

मुख्य शब्दः आयु लिंग संघटन, आयु पिरामिड

प्रस्तावना

जनसंख्या की आयु लिंग संरचना का अभिप्राय विभिन्न आयु वर्गों में स्त्रीयों और पुरुषों की संख्या से होता है। जनसंख्या पिरामिड का प्रयोग जनसंख्या की आयु लिंग संरचना को दर्शाने के लिए किया जाता है। आयु संरचना विभिन्न आयु वर्गों में लोगों की संख्या को प्रदर्शित करती है अर्थात आयु संरचना किसी जनसंख्या में आयु या आयु वर्गों के अनुसार जनसंख्या के वितरण को प्रदर्शित करती है। इसे आयु संगठन भी कहते हैं। यह एक प्रकार का रेखा चित्र है। जिसमे किसी क्षेत्र की जनसंख्या को विभिन्न आयु वर्गों के पुरुष और स्त्रियों की संख्या को व्यक्त करने के लिए किया जाता है। इसकी रचना बहु दंड आरेख के माध्यम से किया जाता है। आयु लिंग पिरामिड को जनसंख्या पिरामिड भी कहते हैं। इसका उपयोग आयु लिंग संरचना को व्यक्त करने के लिए किया जाता है। विभिन्न देशों के आयु लिंग पिरामिड में अंतर पाया जाता है। आयु लिंग संघटन किसी क्षेत्र की जन्म दर मृत्युदर एवं प्रवसन का परिणाम होती है। क्लार्क (1972) के अनुसार आयु संघटन के तीन कारक (जन्म दर, मृत्यु दर एवं प्रवसन) एक दूसरे पर निर्भर होते हैं, तथा इनमे से किसी एक में परिवर्तन होने पर बाकी दो भी प्रभावित होते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

1. जनपद गोण्डा के आयु संरचना का अध्ययन करना
2. आयु संरचना के आधार पर आयु पिरामिड का विश्लेषण करना
3. आयु संरचना के आधार पर विभिन्न आयु वर्ग का अध्ययन करना

अकड़ा स्रोत एवं विधि तंत्रः जनपद गोण्डा में आयु लिंग संघटन का अध्ययन करने के लिए द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। द्वितीयक आंकड़े वर्ष 2011 के है। सामान्य रूप में आयु संघटन का विश्लेषण करने के लिए तीन कारकों का प्रयोग किया जाता है।

1. आयु पिरामिड
2. आयु वर्ग/संरचना
3. आयु सूचकांक।

जनपद गोण्डा के आयु लिंग संघटन का अध्ययन करने के लिए जनपद के विभिन्न आयु वर्ग के आयु पिरामिड एवं आयु संरचना का प्रयोग किया गया है। इन दोनो को ज्ञात करने के लिए सर्वप्रथम जनपद की जनसंख्या को सम्पूर्ण जनसंख्या, ग्रामीण जनसंख्या एवं नगरीय जनसंख्या में विभाजित किया गया है। तत्पश्चात इनको महिला एवं पुरुष की विभिन्न आयु वर्ग में प्रतिशत जनसंख्या के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

अध्ययन क्षेत्रः जनपद गोण्डा भारत देश के उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित है। इसका देशान्तरीय विस्तार 81°31′ पूर्व से 82°86′ पूर्व है तथा अक्षांशीय विस्तार 26°47′ उत्तर से 27°20′ उत्तर है।जनपद गोण्डा उत्तर प्रदेश के निम्न जनपदों से सीमा बनाता है। इसकी सीमा उत्तर में श्रावस्ती एवं बलरामपुर जनपद से,पूर्व में बस्ती जनपद से,दक्षिण में अयोध्या जनपद से,उत्तर पश्चिम में बहराइच जनपदसे तथा दक्षिण पश्चिम में बाराबंकी जनपदों सेसीमा बनाती है। जनपद गोण्डा का कुल क्षेत्रफल 4003 वर्ग किलोमीटर है। जनपद गोण्डा की मृदा बलुई, दोमट तथा बलुई–दोमट प्रकार की

*Corresponding Author: अखण्ड प्रताप पाल

है। जनपद गोण्डा में खरीफ, रबी, जायद तीनो प्रकार की फसलें उगाई जाती है। जनगणना 2011 के अनुसार जनपद गोण्डा की कुल जनसंख्या 3433919 है जिसमे 1787146 पुरुष जनसंख्या तथा 1646773 महिला जनसंख्या है। जनपद गोण्डा में 541247 परिवार निवास करते हैं। जनपद का औसत लिंगानुपात 921 है। 2011 की जनगणना के अनुसार 6.6 प्रतिशत जनसंख्या जनसंख्या शहरी क्षेत्र में निवास करती है तथा 93.4 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है। जनपद गोण्डा का औसत जनघनत्व 858 है। सरयू, विसुही, मनवर, टेढ़ी, कुआनो यहां की प्रमुख नदियां हैं।

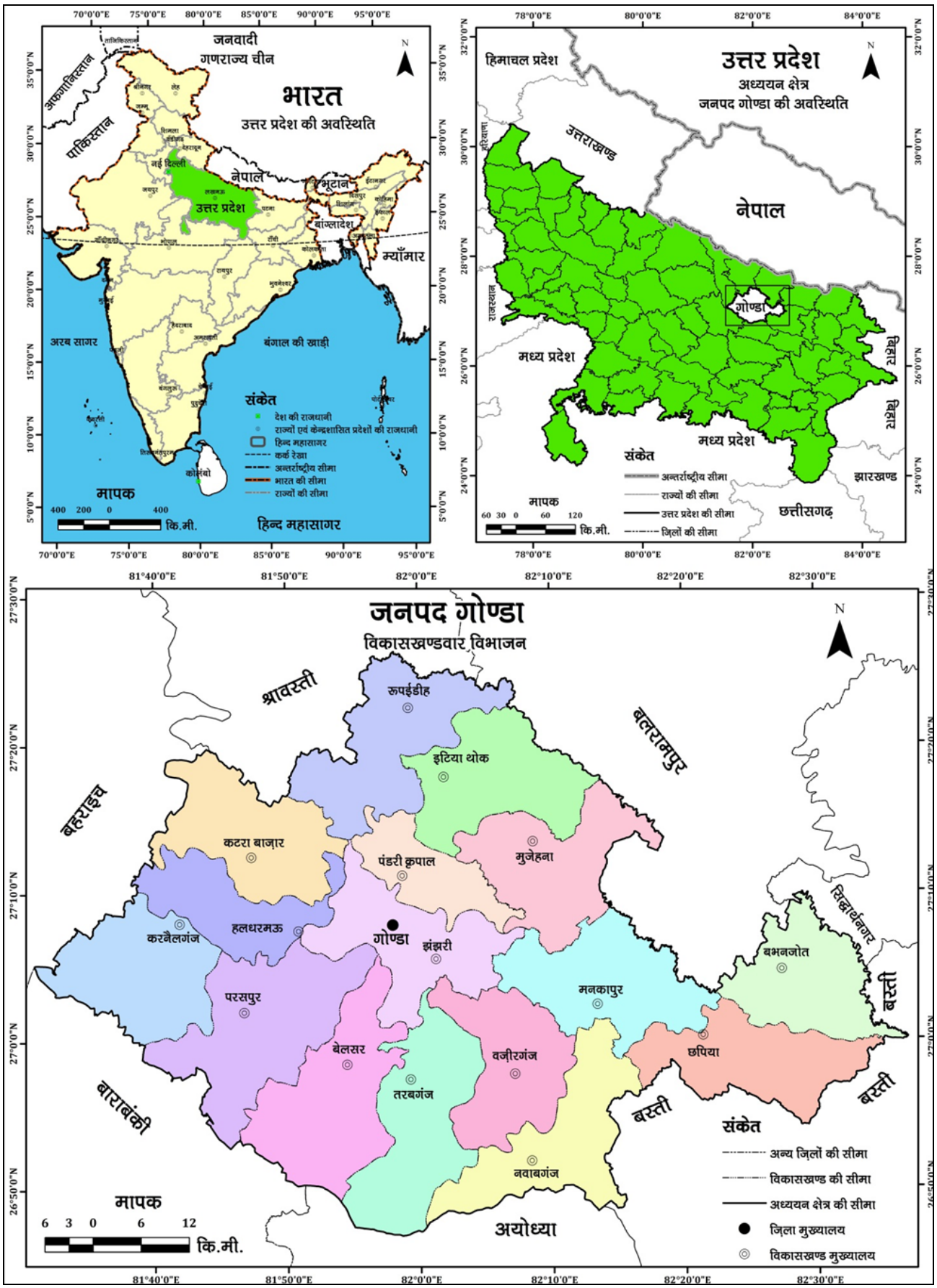

चित्र 1:

आयु पिरामिड

अध्ययन क्षेत्र जनपद गोण्डा में आयु पिरामिड जो कि विभिन्न आयु संरचना को प्रदर्शित करता है, को बनाते समय उर्ध्वाधर अक्ष पर महिला एवं पुरुष जनसंख्या के विभिन्न आयु वर्ग को 5 वर्ष के अंतराल पर बनाया गया है। पिरामिड के क्षैतिज अक्ष पर कुल जनसंख्या, ग्रामीण जनसंख्या एवं नगरीय जनसंख्या को महिला एवं पुरुष जनसंख्या के रूप में या जनसंख्या प्रतिशत के रूप दिखाया जाता है। जैसे की जनपद के लिए प्रदर्शित पिरामिड में क्षैतिज अक्ष पर महिला एवं पुरुष जनसंख्या को प्रतिशत के रूप में दिखाया गया है। एक समुदाय के सामाजिक संबंधों पर आयु संरचना का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं विभिन्न प्रकार के नियोजन विशेषकर सामुदायिक संस्थानों की नियोजन सेवाएं, मानव शक्ति पूर्ति आदि पर आयु संगठन का प्रभाव पड़ता है। स्कूल जनसंख्या विभव, मतदाता जनसंख्या विभव, मानव शक्ति विभव, भविष्य की जनसंख्या निर्धारण और श्रम शक्ति के विभाजन के आवश्यक प्रक्षेपण में भी आयु एक महत्वपूर्ण घटक है। आम तौर पर जब एक जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है तो ग्राफ की सबसे लंबी बार पिरामिड के तल पर दिखाई देगी और आम तौर पर पिरामिड के शीर्ष तक पहुंचने के बाद लंबाई में कमी आयेगी, जिससे शिशुओं और बच्चों की बड़ी आबादी का संकेत मिलता है। आयु लिंग पिरामिड के ग्राफिकल रूप से जन्म दर और मृत्यु दर में दीर्घकालिक रुझान प्रदर्शित होते हैं। आयु संरचना से किसी क्षेत्र की जनांकिकीय संक्रमण की अवस्था का पता चलता है। भारत देश वर्तमान में जनांकिकीय संक्रमण की तीसरी अवस्था से चौथी अवस्था की तरफ अग्रसर है। इस अवस्था में 0 से 14 वर्ष आयु वर्ग की जनसंख्या कुल जनसंख्या की एक तिहाई होती है। इसके विपरीत 60 वर्ष से अधिक जनसंख्या का आकार अपेक्षाकृत छोटा होता है। इस अवस्था के आयु पिरामिड का आधार बड़ा होता है तथा शीर्ष संकुचित होता है। इस अवस्था में ही जनसंख्या वृद्धि एक स्थिर दर पर पहुंच गई है। जन्म दर में गिरावट हो रही है और मृत्यु दर भी कम हो रहा है। इसके साथ ही जनसंख्या लगातार बढ़ रही है। अतः स्पष्ट है की आयु पिरामिड पर जन्नकिकीय संक्रमण की अवस्था, प्राकृतिक संकट, प्रवास तथा जनसंख्या नीति का प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। इनकी विभिन्न अवस्थाओं में जनसंख्या पिरामिड की आकृति बदल जाती है। आगे हम जनपद गोंडा के विभिन्न आयुवर्ग एवं आयु पिरामिड को समग्रता के रूप देखते हैं।

जनपद गोण्डा की वर्ष 2011 में कुल जनसंख्या 3433919 है जिसमें कुल पुरुष जनसंख्या 1787146 तथा कुल महिला जनसंख्या 1646773 है। वर्ष 2011 में कुल जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या 3208890 जिसमे महिला ग्रामीण जनसंख्या 1539832 तथा पुरुष ग्रामीण जनसंख्या 1669058 है। वर्ष 2011 में जनपद की कुल नगरीय जनसंख्या 225029 जिसमे कुल नगरीय महिला जनसंख्या 106941 तथा कुल नगरीय पुरुष जनसंख्या 118088 है।

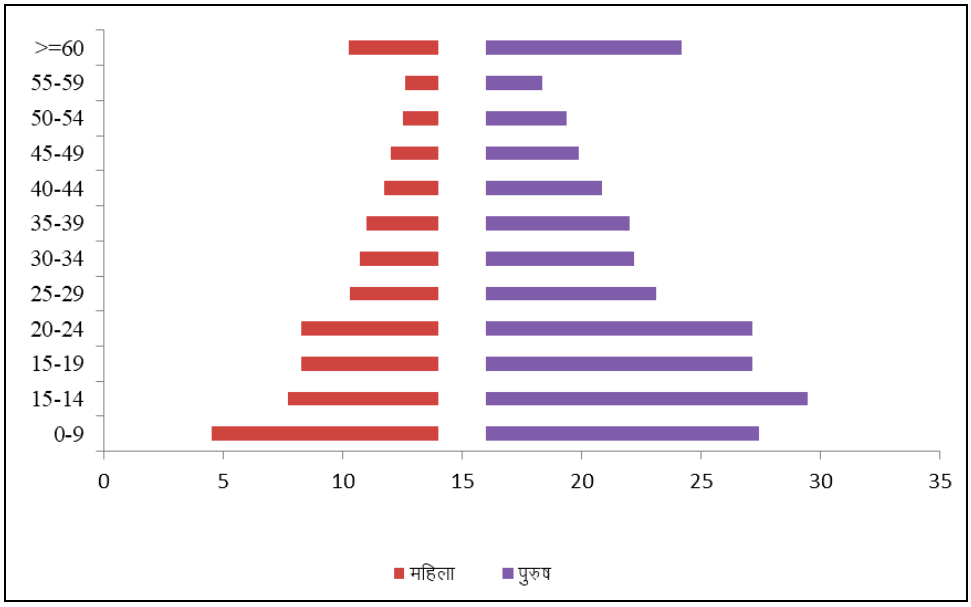

चार्ट 1: जनपद की कुल आयु संरचना का पिरामिड (वर्ष 2011)

चार्ट संख्या 1 के विश्लेषणानुसार कुल आयु संरचना के पिरामिड के अध्ययन से स्पष्ट है कि जनपद में चार प्रधान आयु वर्गों (बाल, युवा, प्रौढ़ तथा वृद्ध) का जनसंख्या प्रतिशत क्रम निम्न प्रकार है।

पुरुष आयु संरचना में आयु वर्ग–युवा आयु वर्ग (41.67 प्रतिशत) > बाल आयु वर्ग (24.93 प्रतिशत) > प्रौढ़ आयु वर्ग (14.57 प्रतिशत) > वृद्ध आयु वर्ग (8.22 प्रतिशत)।

महिला आयु संरचना में आयु वर्ग–युवा आयु वर्ग (21.04 प्रतिशत) > बाल आयु वर्ग (15.75 प्रतिशत) > प्रौढ़ आयु वर्ग (7.04 प्रतिशत) > वृद्ध आयु वर्ग (3.72 प्रतिशत)।

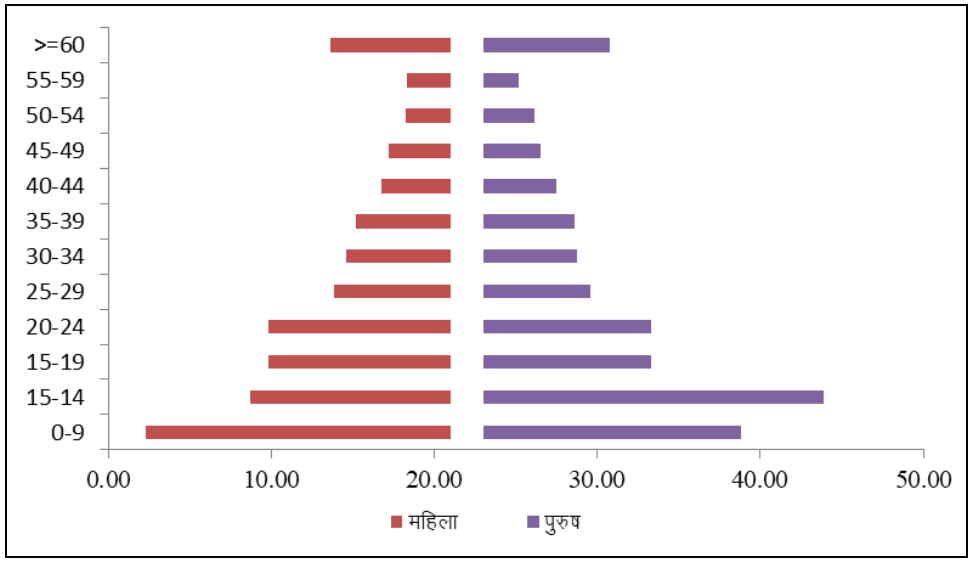

चार्ट 2: जनपद गोण्डा की ग्रामीण आयु संरचना का पिरामिड (वर्ष 2011)

चार्ट संख्या 2 के विश्लेषणानुसार ग्रामीण आयु संरचना के पिरामिड के अध्ययन से स्पष्ट है कि जनपद में चार प्रधान आयु वर्गों (बाल, युवा, प्रौढ़ तथा वृद्ध) का क्रम निम्न प्रकार है।

पुरुष आयु संरचना में आयु वर्ग–युवा आयु वर्ग (38.55 प्रतिशत) > बाल आयु वर्ग (36.68 प्रतिशत) > प्रौढ़ आयु वर्ग (13.42 प्रतिशत) > वृद्ध आयु वर्ग (7.79 प्रतिशत)।

महिला आयु संरचना में आयु वर्ग–युवा आयु वर्ग (41.59 प्रतिशत) > बाल आयु वर्ग (31.01 प्रतिशत) > प्रौढ़ आयु वर्ग (13.51 प्रतिशत) > वृद्ध आयु वर्ग (7.34 प्रतिशत)।

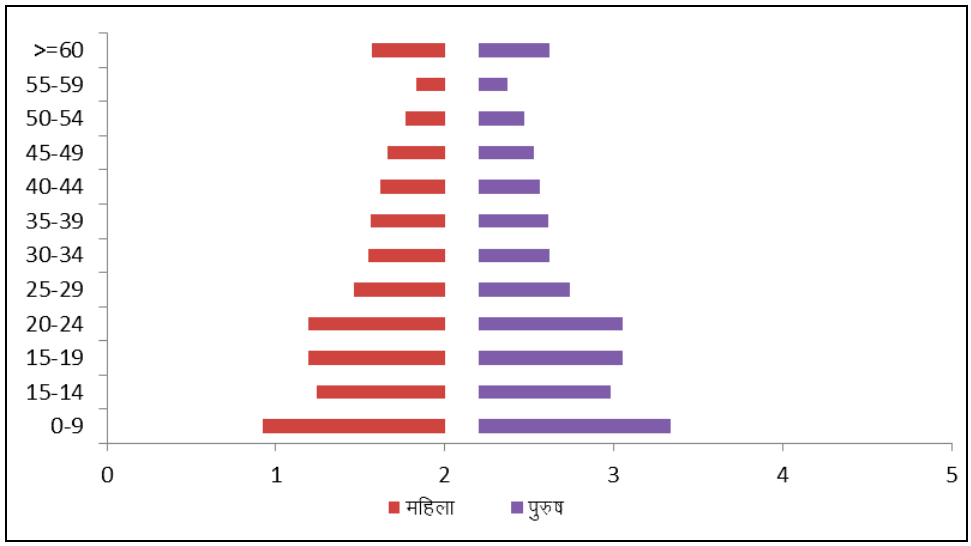

चार्ट 3: जनपद गोण्डा की नगरीय आयु संरचना का पिरामिड (वर्ष 2011)

चार्ट संख्या 3 के विश्लेषणानुसार नगरीय आयु संरचना के पिरामिड के अध्ययन से स्पष्ट है कि जनपद में चार प्रधान आयु वर्गों (बाल, युवा, प्रौढ़ तथा वृद्ध) का क्रम निम्न प्रकार है।

पुरुष आयु संरचना में आयु वर्ग–युवा आयु वर्ग (3.07 प्रतिशत) > बाल आयु वर्ग (1.92 प्रतिशत) > प्रौढ़ आयु वर्ग (1.13 प्रतिशत)> वृद्ध आयु वर्ग (0.42 प्रतिशत)।

महिला आयु संरचना में आयु वर्ग–युवा आयु वर्ग (3.05 प्रतिशत)>बाल आयु वर्ग (1.84 प्रतिशत) >प्रौढ़ आयु वर्ग (1.12 प्रतिशत)>वृद्ध आयु वर्ग (0.43 प्रतिशत)।

उपरोक्त आयु पिरामिड के अध्ययन से स्पष्ट है कि जनपद में कार्यशील जनसंख्या अकार्यशील जनसंख्या से अधिक है। बाल जनसंख्या एवं किशोर जनसंख्या प्रतिशत के अध्ययन से स्पष्ट है कि अगली जनगणना में भी कार्यशील जनसंख्या अकार्यशील जनसंख्या से अधिक रहेगी।

निष्कर्ष एवं सुझाव

आयु, लिंग संघटन विभिन्न आयु वर्ग एवं उस आयु वर्ग में मौजूद संख्या को प्रदर्शित करता है। आयु लिंग संघटन को आयु पिरामिड द्वारा दर्शाया गया है जिससे प्रतीत होता है कि जनपद की जनसंख्या आयु वर्ग, के बढ़ने के साथ घटती जाती है। जनपद सम्पूर्ण आयु संरचना को पुरुष महिला आयु संरचना में ग्रामीण एवं नगरीय आयु संरचना को भी पुरुष मलिा में विभाजित करके अध्ययन किया गया है। कुल आयु संरचना के पुरुष आयु संरचना में सर्वाधिक आयु संरचना 10–14 वर्ष के आयु वर्ग की है तथा सबसे कम 55–59 वर्ष के आयु वर्ग की है। कुल आयु संरचना में महिला आयु संरचना सबसे अधिक 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग की है

तथा सबसे कम 55–59 वर्ष के आुय वर्ग की है। इससे स्पष्ट है कि अगली जनगणना में भी कुल आयु संरचना के पुरुष एवं महिला आयु संरचना में कार्यशील जनसंख्या अधिक होगी। ग्रामीण आयु संरचना के अध्ययन से स्पष्ट है कि 10 से 14 वर्ष के आयु वर्ग की जनसंख्या जनपद की पुरुष आयु संरचना में सर्वाधिक है तथा 55 से 59 वर्ष के आयु वर्ग की जनसंख्या जनपद की ग्रामीण पुरुष आयु संरचना में सबसे कम है। ग्रामीण महिला आयु संरचना में 0 से 9 वर्ष आयु वर्ग की जनसंख्या सर्वाधिक है तथा 55 से 59 वर्ष आयु वर्ग की जनसंख्या सबसे कम है। जनपदके नगरीय आयु संरचना के अध्ययन से स्पष्ट है कि नगरीय पुरुष संरचना में सर्वाधिक जनसंख्या 0–9 वर्ष आयु वर्ग की है तथा सबसे कम जनसंख्या 55–59 वर्ष आयु वर्ग की है। नगरीय महिला आयु सरंचना में सर्वाधिक जनसंख्या 0 से 9 वर्ष आयु वर्ग की है तथा सबसे कम जनसंख्या 55 से 59 वर्ष आयु वर्ग की है। जनपद के जनसंख्या पिरामिड के अध्ययन से यह बात भी ज्ञात होती है कि जनपद के आर्थिक वर्गीकरण में सक्रिय जनसंख्या (15–59 आयु वर्ष) का प्रतिशत, 84.66 प्रतिशत तथा आसक्रीय जनसंख्या का प्रतिशत, 15.34 प्रतिशत है। इसी प्रकार जनपद के आयु पिरामिड के अध्ययन से निर्भरता अनुपात, प्रतिस्थापन दर तथा क्रियाशीलता दर आदि को निर्धारित करके भविष्योन्मुखी योजनाओं का निर्माण किया जा सकता है।

References

1. Akoto E, Tambashe B. *Socioeconomic Inequalities in Infant and Child Mortality among Urban and Rural Areas in Sub-Saharan Africa. First Seminar of the USSP Committee on Emerging Health Threats*. Rostock, 2002.
2. Bloom DE, Canning D, Sevilla J. *The Demographic Dividend: A New Perspective on the Economic Consequences of Population Change*. Rand Corportation, 2003.
3. Bongaarts J. Human Population Growth and the Demographic Transition. *Philosophical Transactions of the Royal Society*. 2009; 364(1532):2985-90.
4. Ashira Menashe-Oren. Population age structure and sex composition in sub-Saharan Africa a rural-urban perspective Jerusalem, International Fund for Agricultural Development Rome Itly, 2017. www.ifad.org.
5. Chenyu Kang, Ridong Hu. Age structure of the population and the choice of household financial assets, Economic Research-Ekonomska Istraživanja. 2022; 35(1):2889-2905, DOI: 10.1080/1331677X.2021.1984269.
6. Bhende A, Asha & Kanitkar. Principal of Population Studies, Himalaya Publication House Mumbai, 2019.
7. Maurya SD. Population Geography, Pravalika Publication.
8. Chandna RC. Geography of Population-Concepts, Determination and Patterns, Kalyani Publisher Delhi, 2021.
9. Tiwari RK. Jansankhya Bhughol ,Pravalika Publication Prayagraj, 2015.
10. Ansley J Coal. “How a Population Ages or Grows Younger”, Ronald Freedman (Ed.) Population: The Vital Revolution, New York: Doubleday and Co, 1964.